सामाजिक विज्ञान

कक्षा 8

(राजनीतिक विज्ञान)

अध्याय 2: धर्मनिरपेक्षता की समझ

To get notes visit our website

mukutclasses.in

अभ्यास के प्रश्न

प्रश्न 1. अपने आस-पड़ोस में प्रचलित धार्मिक क्रियाकलापों की सूची बनाइए। आप विभिन्न प्रकार की प्रार्थनाओं, विभिन्न देवताओं की पूजा विभिन्न पवित्र स्थानों, विभिन्न प्रकार के धार्मिक संगीत और गायन आदि को देख सकते हैं। क्या इससे धार्मिक क्रियाकलापों की स्वतंत्रता का पता चलता है?

उत्तर: **आस-पड़ोस में प्रचलित धार्मिक क्रियाकलाप :**

1. मंदिरों में देवी-देवताओं की पूजा, आरती और भजन होते हैं।
2. मस्जिदों में नमाज़ और अज़ान होती है।
3. गुरुद्वारों में कीर्तन और लंगर का आयोजन होता है।
4. चर्च में रविवार को प्रार्थना और भजन गाए जाते हैं।
5. जैन मंदिरों में ध्यान और प्रतिक्रमण किए जाते हैं।
6. विभिन्न त्योहारों जैसे रामनवमी, ईद, गुरु पर्व, क्रिसमस आदि पर शोभायात्रा और सामूहिक आयोजन होते हैं।

इन सब गतिविधियों से यह स्पष्ट होता है कि हमारे देश में धार्मिक स्वतंत्रता है और सभी धर्मों को मानने तथा उनका पालन करने की पूरी आज़ादी है।

प्रश्न 2. अगर किसी धर्म के लोग यह कहते हैं कि उनका धर्म नवजात शिशुओं को मारने की छूट देता है तो क्या सरकार किसी तरह का दखल देगी या नहीं? अपने उत्तर के समर्थन में कारण बताइए।

उत्तर: हाँ, सरकार इसमें दखल देगी क्योंकि नवजात शिशुओं की हत्या एक गंभीर अपराध है। संविधान में धार्मिक स्वतंत्रता है, लेकिन यह स्वतंत्रता कानून और सार्वजनिक व्यवस्था के अधीन है। कोई भी धर्म ऐसा कार्य नहीं कर सकता जो मानवाधिकारों या कानून का उल्लंघन करे।

कारण:

मानव जीवन की रक्षा संविधान और कानून की प्राथमिक जिम्मेदारी है, और हत्या किसी भी हालत में स्वीकार्य नहीं है।

प्रश्न 3. इस तालिका को पूरा कीजिए-

उद्देश्य	**यह महत्त्वपूर्ण क्यों है?**	**इस उद्देश्य के उल्लंघन का एक उदाहरण**
एक धार्मिक समुदाय दूसरे समुदाय पर वर्चस्व नहीं रखता		
राज्य न तो किसी धर्म को थोपता है और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनता है		
एक ही धर्म के कुछ लोग अपने ही धर्म के दूसरे लोगों को न दबाएँ		

उत्तर:

उद्देश्य	**यह महत्त्वपूर्ण क्यों है?**	**इस उद्देश्य के उल्लंघन का एक उदाहरण**
एक धार्मिक समुदाय दूसरे समुदाय पर वर्चस्व नहीं रखता	इससे सभी समुदायों का समान विकास होता है।	जम्मू और कश्मीर में हिन्दू मुसलमान पर लोग अपना वर्चस्व रखते हैं।

MUKUL classes

राज्य न तो किसी धर्म को थोपता है और न ही लोगों की धार्मिक स्वतंत्रता छीनता है	इससे हम अल्पसंख्यक वाले लोगो पर अत्याचार और भेदभाव रोक सकते हैं।	श्रीलंका में सिंघली लोग तामिल लोगो पर अपना वर्चस्व रखते हैं।
एक ही धर्म के कुछ लोग अपने ही धर्म के दूसरे लोगों को न दबाएँ	इससे हमें शांति, सहनशीलता और सौहार्दपूर्ण वातावरण मिलता है।	हिन्दू धर्म में लोगो के छुआ-छात की प्रथा इसका अच्छा उदाहरण है।

प्रश्न 4. अपने स्कूल की छुट्टियों के वार्षिक कैलेंडर को देखिए। उनमें से कितनी छुट्टियाँ विभिन्न धर्मों से संबंधित हैं? इससे क्या संकेत मिलता है?
उत्तर:हमारे स्कूल में कुल मिला के 28 दिन की छुट्टी मिलती है।
• जिनमे से 5 सरकारी और 23 विभिन्न धर्मों के विभिन्न त्योहारों की छुट्टी है।
• हिन्दू धर्मः दीपवाली, होली और दशहेरा।
• सीख धर्मः गुरु गोविंद जयंती, लोहरी और बैसाखी।
• ईसाई धर्मः गुड फ्राइडे और क्रिस्मस ।
• मुस्लिम धर्मः ईद उल्ल फ़ित्र, ईद उल्लं अज़हा और मुहर्रम ।
• इससे हमें यह पता चलता है भारत में हर धर्म को एक समान इज़्ज़त मिलती है और यहाँ हर नागरिक अपने पसंद के कोई भी धर्म के पालन के लिए स्वतंत्र है।

प्रश्न 5. एक ही धर्म के भीतर अलग-अलग दृष्टिकोणों के कुछ उदाहरण दें?
उत्तर: हिंदू धर्म में अनेक देवी-देवताओं की पूजा की जाती है, जिनकी अपनी-अपनी मान्यताएँ हैं। हिंदू धर्म के अनुयायी मुख्यतः दो वर्गों में बाँटे जाते हैं — वैष्णव और शैव।
हालाँकि दोनों का धर्म एक है, परंतु उनके उपास्य देवता और धार्मिक परंपराएँ अलग-अलग हैं। कुछ ऐसी मान्यताएँ और आचार हैं जिन्हें वैष्णव पालन करते हैं, पर शैवों में उनका पालन आवश्यक नहीं माना जाता।

प्रश्न 6. भारतीय राज्य धर्म से फ़ासला भी रखता है और उसमें हस्तक्षेप भी करता है। यह उलझाने वाला विचार लग सकता है। इस पर कक्षा में एक बार फिर चर्चा कीजिए। चर्चा के लिए इस अध्याय में दिए गए उदाहरणों के अलावा आप अपनी जानकारी के अन्य उदाहरणों का भी सहारा ले सकते हैं।
उत्तर: भारतीय राज्य धर्म निरपेक्ष है, इसलिए वह किसी धर्म को बढ़ावा नहीं देता और सब धर्मों से समान दूरी बनाए रखता है। लेकिन जब किसी धार्मिक परंपरा से लोगों के अधिकारों का उल्लंघन होता है, तब राज्य हस्तक्षेप करता है।
उदाहरण:
सती प्रथा और बाल विवाह पर रोक, या अयोध्या विवाद में न्यायिक हस्तक्षेप। इससे साफ है कि राज्य धर्म से दूरी भी रखता है और ज़रूरत पड़ने पर हस्तक्षेप भी करता है।

प्रश्न 7. साथ में दिया गया यह पोस्टर 'शांति' के महत्त्व को रेखांकित करता है। इस पोस्टर में कहा गया है कि "शांति कभी न खत्म होने वाली प्रक्रिया है... यह हमारी आपसी भिन्नताओं और साझा हितों को नज़रअंदाज़ करके नहीं चल सकती।" ये वाक्य क्या बताते हैं? अपने शब्दों में लिखिए। धार्मिक सहिष्णुता से इसका क्या संबंध है?
इस अध्याय में आप ही की उम्र के विद्यार्थियों ने भी धार्मिक सहिष्णुता पर तीन तस्वीरें बनाई हैं। धार्मिक सहिष्णुता को ध्यान में रखते हुए अपने साथियों को दिखाने के लिए खुद एक पोस्टर बनाइए ।
उत्तर: छात्र स्वयं बनाए।